

# **Shri Govind Guru University**

( Established by Government of Gujarat Vide Gujarat Act no 24/2015 )

*Towards Smart Quality Education*

## **Faculty of Arts**

### **Master of Arts**

#### **Syllabus for**

#### **Sanskrit (CBCS Programme)**

#### **Semester - 1 to 4**

**Effective from June-2019**

Website: [www.sgggu.ac.in](http://www.sgggu.ac.in)

**Semester-1 – Sanskrit  
CORE 101  
उत्तररामचरितम्**

**Course:** SAN:- 101

**Topic:** Classical Sanskrit Drama

**Text:** उत्तररामचरितम्

**Objective of this Course:** To introduce and bring out salient features of the classical Sanskrit Drama.

**Outcome of the Course:** Students would be able to acknowledge the literary riches of their all time great classical drama.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Drama	उत्तररामचरितम्	1. अनुवादः (पदयमात्रस्य अनुवाद अपेक्षितः )
A	O	नाटकम्		2. उत्तररामचरितस्य नाट्यशास्त्रीया समीक्षा )
N	R			3. पात्रालेखनम् ससन्दर्भा टिप्पणीय च ।
101	E			4. भवभूति रचित - नाटकानाम तुलनात्मकम् अध्ययनम् (self study)

**संदर्भग्रन्थः-**

1. उत्तररामचरितम् - डॉ.शांतिकुमार पंड्या - पार्श्व प्रकाशन, अमदावाड
2. उत्तररामचरितम् - प्रो.वसंतकुमार भट्ट - सरस्वती पुस्तक भंडार - अमदावाड
3. उत्तररामचरितम् एक अध्ययन - डॉ.गौतम पटेल, पार्श्व प्रकाशन, अमदावाड
4. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास - डॉ.बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास - मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. भवभूति- पार्श्व प्रकाशन, डॉ. विजय पंड्या.

**प्रश्न प्रकारः-**

**Format of Question Paper:**

Q.1 Unit-1

- A. श्लोकोनो अनुवाद (चार मांथी बे) १०
- B. ससंदर्भ विवेचन (चार मांथी बे) ०४
- विशेषः श्लोकोनो अनुवाद अंक-१ थी ४ मांथी पूछवा . ससंदर्भ ५ थी ७ अंक मांथी पूछवा.

Q.2 Unit-2

- A. नाट्यशास्त्रीय समीक्षाने लगतो सामान्य प्रश्न (ऐकना विकल्पे ऐक) १०
- B. नाट्यशास्त्रीय समीक्षाने लगती ट्रेकनोध (बे मांथी ऐक) ०४

Q.3 Unit-3

- A. पात्रालेखन ने लगतो सामान्य प्रश्न (ऐकना विकल्पे ऐक) १०
- B. ट्रेकनोध (बे मांथी ऐक) ०४

Q.4 Unit-4

- A. सामान्य प्रश्न अथवा सामान्य प्रश्न १४

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

- A- ट्रेका प्रश्नो (ऐक गुणना चौद प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जग्या अने जोडका पण पूछी शकाय.) १४
- अथवा (७ अने ७ )

Course : SAN – 102

निरुक्तम् (1,2 अध्यायौ )

Course : SAN 102

Topic : Vedic studies

Text :- निरुक्तम् (1,2 अध्यायौ )

**Objectives of this course:** To introduce the original Sanskrit text of Vedic Etymological treatise.

**Outcome of the course :-** To outcome of the course students would be able to interpret the Vedic text by the help of these etymologies.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	VEDANG	यास्क प्रणीतम्	1. प्रथम अध्यायः (नियतांश प्रारम्भतः निपातार्थ पर्यन्तम् ।
A	O	वेदाङ्गानि	निरुक्तम् (अध्याय 1 तथा 2 )	2. प्रथम अध्यायः (नियतांश तत्र नामानि आरव्यजानि इत्यतः अध्यायस्य समाप्ति पर्यन्तम् )
N	R			3. द्वितिय अध्यायः (नियतांश निर्वचनस्य सिद्धान्ताः संपूर्णः प्रथमपादः ) द्वितिय अध्यायः (नियतांश अथातोऽनुक्रमिष्यामः गौः इति पृथिव्यां नाम धैयम् (द्वितिय पादतः ) इत्यतः अध्यायस्य समाप्ति पर्यन्तम् । आ अंशमांथी मात्र निर्वचनो ष भएवावा ना छे.
102	E			4. निरुक्त :अेक वेदांग,नीधएट्टनो परियथ, निधएट्ट नुं कर्तव्य, नीधएट्ट अने निरुक्त संबंध. यास्कना केटलाक अगत्यना सिद्धांतो (self study)

संदर्भग्रन्थः-

1. यास्कप्रणीतं निरुक्तम् (दुर्गाचार्य-टिक्या समेतम् ) सं.परो.वि.के.राजवाडे आनन्दाश्रम ग्रन्थावली, पुणे
2. Nirukta Mimansa by shri – narayan shastri – Delhi – 1980
3. Nirukta yaska, Acharya Vishveshwar, Jnam-mandal publishers prayag – 1935
4. निरुक्तम्, सं.मुकुन्द झा शर्मा, चौखंबा संस्कृत संस्थान, दिल्ली, १९६१
5. निरुक्तम्- डॉ.वसंत भट्ट, सरस्वती पुस्तक भंडार
6. निरुक्तम्- वी.टी.चोकसी संस्कृत श्रेणी सुरत – डॉ.अरुणा शास्त्री

**Format of Question Paper**

Q.1 UNIT – 1

- A. नियतांशमांथी पंक्ति समजावो. (चार मांथी बे) 08
- B. ट्रेकनोंध (बे मांथी अेक) 06

Q.2 UNIT – 2

- A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी अेक अथवा अेकना विकल्पे अेक) 08
- B. नियतांशमांथी पंक्ति समजावो. (बे मांथी अेक) 06

Q.3 UNIT – 3

- A. सामान्य प्रश्न अथवा सामान्य प्रश्न 14

Q.4 UNIT – 4

- A. नियतांशमांथी निर्वचन(चार मांथी बे) 08
- B. निर्वचननोने लगता ट्रेका प्रश्नो (७ मांथी त्रए) 06

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

- A- ट्रेका प्रश्नो (अेक गुएना चौए प्रश्नोपूएवा. अथवा जाली जय्या अने जोऽका पए पूछी शकाय.) १४ अथवा (७ अने ७ )

**Translation & chandas****Course: SAN:- 103****पूर्व मेघदूत अने छंद****Course: SAN:- 103****Topic:मेघदूत****Text-** (संस्कृतात् गुर्जरभाषायम्) अनुवाद: छन्दसां परिचयः च**Objective of this Course:** To teach the art of translation & acquaint them about meters used in Sanskrit literatures..**Outcome of the Course:** Students would be able to translate in two different styles, they will be introduces to Sanskrit melody.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	अनुवाद: छन्दसां परिचय मेघदूतम्	संस्कृतात् गुर्जर भाषायाम्	1. अनुवाद: (पदयमात्रस्य अनुवाद अपेक्षितः ) अने तेमां आवती द्रुकनोध
A	O	पूर्वमेघ 1 तः63	छन्दोगानं च	2. सामान्य प्रश्न ऐक ना विकल्पे ऐक अने तेमां आवती द्रुकनोध
N	R	पदयानि	नियतानि पञ्चदश छन्दांसि	3. द्रुकनोध अथवा जनरल प्रश्न अने टेक्ष अने कविने लगता प्रश्नो अथवा मुल्याकन ने लगता प्रश्नो
103	E			4. छंद- A - छंदजुं लक्षण अने उदाहरण (चार मांथी बे) B - नियत छंदोने लगता द्रुका प्रश्नो (बे प्रश्नो पद्यना छंदने ओणभव माटेना (छ मांथी त्रण) १.वसंततिलका २.अपरवक्र ३. आर्य ४.वियोगीन ५.शशीकला ६.अनुष्टुप ७.गीतिका ८. वैतालीयम ९.उपचित्र १०. गीति ११. त्रोटक १३.छन्दवृत्त १४. वंशस्थ १५. शाईलविकीडित (self study)

प्रश्न प्रकार:-

**Format of Question Paper:**

Q.1 Unit-1

- A. श्लोकोनो सविस्तार अनुवाद करो. (चार मांथी बे) १०  
B. पद्यांश नो (ऐक चरणनो) अनुवाद करी समजावो. (चार मांथी बे) ०४

Q.2 Unit-2

- A. सामान्य प्रश्न ऐक ना विकल्पे ऐक १०  
B. द्रुकनोध (बे मांथी ऐक) ०४

Q.3 Unit-3

- A. द्रुकनोध (चार मांथी बे) अथवा जनरल प्रश्न १४

Q.4 Unit-4 छंद

- A. छंद जुं लक्षण अने उदाहरण (चार मांथी बे) ०८  
B. नियत छंदोने लगता द्रुका प्रश्नो (बे प्रश्नो पद्यना छंदने ओणभव माटेना (छ मांथी त्रण ) ०५

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

- A- द्रुका प्रश्नो (ऐक गुणना चौद प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जग्या अने जोडका पण पूछी शकाय.) १४  
अथवा (७ अने ७ )

**Epic studies**  
**Course: SAN:- 104**  
વિરાટપર્વ 1 થી 23 અધ્યાય

**Course:** SAN:- 104

**Topic:** Epic Studies

**Text:**વિરાટપર્વ 1 થી 23 અધ્યાય

**Objective of this Course:** Student would know the amity – life prevalent in Ancient India.

**Outcome of the Course:** Students would be able to live the desirable ideals in modern age through the study of mahabharat

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Epic Study	વ્યાસ મહાભારતે વિરાટપર્વ અધ્યાય - 1 ત: ૨૩	1. નિયતાંશસ્ય સાનુવાદ વિવરણમ્
A	O	આર્ષ કાવ્યમ્		2. નિયતાંશસ્ય સંસ્કૃતિક સામાજિક ચ અધ્યયનમ્ કવિને લગતા અને કૃતિને લગતા અને સંસ્કૃતિ અને સમાજ જીવનને લગતા પ્રશ્નો
N	R			3. સંસ્કૃત મહાકાવ્યનામ્ ઉપજીવ્યત્વેન વ્યાસ મહાભારતે વિરાટપર્વ વિરાટપર્વ બુકને લગતા પ્રશ્નો
104	E			4. મહાભારત કા સાહિત્યિક મહત્વ અને મહાભારત- ભારતીય સંસ્કૃતિનો વિશ્વ કોર્ષ વગેરે (self studys)

પ્રશ્ન પ્રકાર:-

**Format of Question Paper:**

Q.1 Unit-1

- A. શ્લોકોનો અનુવાદ વિવરણ સહિત (ચાર માંથી બે) ૧૦  
B. પદ્યાશનો (એક ચરણનો) અનુવાદ વિવરણ સહિત (ચાર માંથી બે) ૦૪

Q.2 Unit-2

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક) ૧૦  
B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૪

Q.3 Unit-3

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક) ૧૦  
B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૪

Q.4 Unit-4

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન ૧૪

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂર્ણવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪  
અથવા (૭ અને ૭)

સિદ્ધાંત કૌમુદી અચ-પ્રકરણ અને પાણિનિય શિક્ષા

Course: SAN:- 105

Course: SAN:- 105

Topic: vyakran Shastra

Text: સિદ્ધાંત કૌમુદી અચ-પ્રકરણ અને પાણિનિય શિક્ષા

Objective of this Course: To cultivate the ability of Sanskrit compound-formation in students.

Outcome of the Course: Students would be able to understand the Sanskrit language properly.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Grammar	સિદ્ધાંત કૌમુદી અચ-સંધિપ્રકરણ અને પાણિનિય શિક્ષા	1. સિદ્ધાન્તકૌમુદી અચ-પ્રકરણ ના સૂત્રો અને તેને લગતા પ્રશ્નો.
A	O			2. સિદ્ધાન્તકૌમુદી મા આવતા પ્રશ્નો ટૂંકનોંધ
N	R			3. વેદાંગમા શિક્ષા , પાણિની,
105	E			4. શ્રવણ અને ઉચ્ચારણ શિક્ષા , પઠન અને લેખન શિક્ષા (self study)

Reference Books:

- (1) સિદ્ધાન્તકૌમુદી ભટ્ટોજી દીક્ષિત, ગિરધર શર્મા ચતુર્વેદી, મોતીલાલ બનારસીદાસ દિલ્લી ૨૦૧૦
- (2) વૈયાકરણ સિદ્ધાન્તકૌમુદી ભાગ-1 ચન્દ્ર શેખર શાસ્ત્રી, પરિમલ પબ્લિકેશન દિલ્લી-૨૦૦૫
- (3) લઘુસિદ્ધાન્ત કૌમુદી - ડૉ. વસંત ભટ્ટ, સરસવતી પુસ્તક ભંડાર.
- (4) લઘુસિદ્ધાન્ત કૌમુદી- ડૉ.નિરંજન પટેલ , પાશ્વ પ્રકાશન અમદાવાદ.
- (5) વૈયાકરણ સિદ્ધાન્ત કૌમુદી- શાસ્ત્રી દયાશંકર ,રોયલ બુક ડેપો. અમદાવાદ.

Format of Question Paper

Q.1 Unit-1

- A. સૂત્રો સમજાવો (ચાર માંથી બે) ૦૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

Q.2 Unit-2

- A. સૂત્રો સમજાવો (ચાર માંથી બે) ૦૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

Q.3 Unit-3

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

Q.4 Unit-4

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા ટૂંકનોંધ (ચાર માંથી બે) ૧૪

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

## सेमिनार १०९ डोरुष

अथवा

HISTORY OF SANSKRIT LITERACHAR

### सेमिनार

संस्कृत नाटकों मां वस्तु,नेता और रस-ए विषयने लगतो सेमिनार लखिने रजू करवानो छे.

संस्कृतनी कोई पण नाट्यकृति पसंद करीने तेना वस्तु वगोरेनु समीक्षात्मक अध्ययन पोताना शब्दोमां प्रस्तुत करवानु अही अपेक्षित छे.सेमिनारना स्वरूपनी बाह्य रूपरेखा नियमानुसार छे.एने चुस्तपणे वलगी रहेवु.जो आ स्वरूपमां कोई शिथिलता वर्ताशे,तो तेनो प्रभाव परिक्षाना परिणाम ऊपर पण रहेशे.माटे सेमिनारनु स्वरूप अनिवार्य रीते नियमानुसार राखवु-)

- 1.प्रथम पृष्ठ-गोविन्द गुरु युनि.नी उत्तरपुस्तिकाना प्रथमपृष्ठनी ज़ेरोक्ष कोपीनु राखवु. उत्तरपुस्तिकाना खानाओमां जरूरी विगतो पुरवी.
- 2.द्वितीय पृष्ठ-विषयनु शीर्षक अने विषयानुक्रमणिका(विषय अने पृष्ठ-क्रमांक साथे नु राखवु.
- 3.प्रस्तावना-आठ पृष्ठथी वधारे नहीं.
- 4.विषयनु विवेचन(अर्थात तुलनात्मक अभ्यास) अंदाजे पंदरथी वीस पृष्ठ.
- 5.उपसंहार-त्रणथी वधारे पृष्ठ नहीं.
- 6.अन्ते संदर्भ ग्रंथ सूचि,अकारादि क्रमे(1.ग्रंथनाम.२.संपादक के लेखक नाम ३.प्रकाशक ४.प्रकाशन वर्ष ५.आवृत्ति-आटली विगतो मुकवानी रहे छे.) अनिवार्य रीते मुकवी.
- 7.एकंदरे सेमिनारनु कद त्रिसथी पांत्रिस पृष्ठ जेटलु राखवु.

# સેમીનાર અથવા પેપર

## HISTORY OF SANSKRIT LITERACHAR

### History of Sanskrit Literature

**Objective** (1) To make the students aware about history of Sanskrit literature

(1) To give in depth knowledge of the Sanskrit literature since Vedic times.

(2) To help the students insight to develop with the reference to the reparation of various topics in the literature of different period

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	History of Sanskrit Literature	History of Sanskrit Literature	1.વૈદિક યુગનું સંસ્કૃત સાહિત્ય <ul style="list-style-type: none"> <li>વેદની વિવિધ વ્યાખ્યાઓ</li> <li>વેદોની ઉત્પત્તિ અને પ્રામાણ્ય</li> <li>ઋગ્વેદ સંહિતા , યજુર્વેદ સંહિતા , સામવેદ સંહિતા , અથર્વવેદ સંહિતા નો પરિચય</li> </ul>
A	O			2. અદ્વૈત વેદાંત ઉત્પત્તિ- પરમ્પરા એવં વિકાસ <ul style="list-style-type: none"> <li>વેદાન્ત કે સંપ્રદાય</li> <li>1. અદ્વૈત 2.વિશિષ્ટા દ્વૈત 3. દ્વૈત 4. દ્વૈતા દ્વૈત 5.શુદ્ધદ્વૈત</li> </ul>
N	R			3. નિયત કરેલ ઉપનિષદો નો અભ્યાસ <ul style="list-style-type: none"> <li>ઈશ ઉપનિષદ , કઠ ઉપનિષદ, કેન ઉપનિષદ , બૃહદારણ્યક ઉપનિષદ, તૈતરીય ઉપનિષદ નો પરિચય</li> </ul>
	E			4.. સંસ્કૃત સાહિત્યનો નિયત કૃતિઓનો અભ્યાસ <ul style="list-style-type: none"> <li>વેણીસંહાર નો પરિચય</li> <li>મુદ્રારાક્ષસ નો પરિચય અને ઐતિહાસિક કૃતિ</li> <li>દશકુમાર ચરિત નો કથાસાર અને સાહિત્ય સ્વરૂપ (self study)</li> </ul>

### References:

- (1) 1989, M.Krishnamachariar, A History of classical SAnskrit Literature, Motilal Banarasidass.
- (2) 1947, S.N.Dasgupta, A History of Sanskrit Literature, University of Calcutta.
- (3) 1962, Krishna chaitanya, A New History of Sanskrit Literature, Bombay, Asia Publishing House.
- (4) 1962, C.Kunhan Raja, Survey of Classical Sanskrit Literature, Bombay , bhartiya Vidya Bhavan.
- (5) 2004, A.A.Macdonell, Origin and development of Sanskrit Literature, New Delhi, Sanjay Prakashan.
- (6) 2002, A.B.Keith, The development and History of Sanskrit literature, New Delhi, Sanjay Prakashan.
- (7) 1928, A.B.Keith, a History of Sanskrit Literature, Oxford Press

### Format of Question Paper

Q.1 UNIT – 1

A.જનરલ અથવા જનરલ પ્રશ્ન

૧૪

Q.2 UNIT – 2

A. ટૂંકનોંધ (ચારમાંથી બે)

૧૪

Q.3 UNIT – 3

A. જનરલ અથવા જનરલ પ્રશ્ન

૧૪

Q.4 UNIT – 4

A. ટૂંકનોંધ (ચારમાંથી બે)

૧૪

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

એમ.એ સંસ્કૃત ત્રિતીય સેમેસ્ટર

(કોર્ષ ૨૦૧ થી ૨૦૬)

**Course : SAN – 201**

**Course : SAN – 201**

**Topic : Poetry**

**Text :-** Raghuvansham (canto-14)

**Objectives of this course:-** To introduce the original Sanskrit text of ornate poetry with a learned commentary.

**Outcome of the course:** students would be able to know the original source of later developments in ornate poetry.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Poetry	રઘુવંશમ્ (સર્ગ - ૧૪)	૧.અનુવાદ તથા સમીક્ષા (નિયતાંશસ્ય)સવિવરણ સહિત
A	O		મલ્લિનાથસ્ય ટિકા સહિતમ્	૨. મલ્લિનાથટિકા અધ્યયન તથા સમીક્ષા (નિયતાંશસ્ય) સર્ગ-૧૪ માં આવતા વિશિષ્ટ શબ્દોની મલ્લિનાથે આપેલી ટીકા પ્રમાણે સમજાવું.
N	R			૩.કાવ્યશાસ્ત્રીય સમીક્ષા (નિયતાંશસ્ય)
2	E			૪.કાલિદાસ ના રઘુવંશને લગતા જનરલ પ્રશ્નો અને ટૂંકનોંધ (self study)
0				
1				

**Reference Books:**

1. Raghuvansam of Kalidas. nirnay Sagar Press, Mumbai – 1987
2. Raghuvansam with mallinath. nirnay Sagar Press, Mumbai – 1987
3. રઘુવંશ મલ્લિનાથ ટિકાયુક્તમ, સ .જી.આર, નન્દરગીકર, મોતીલાલ બનારસીદાસ, દિલ્લી - ૧૯૮૨
4. રઘુવંશમહાકાવ્યમ્ (સંપુર્ન) ડો.ગૌતમ પટેલ અમદાવાદ - ૨૦૧૩
5. રઘુવંશ સર્ગ-14 પાર્શ્વ પબ્લિકેશન અમદાવાદ

**Format of Question Paper**

Q.1 UNIT – 1

- A. શ્લોકોનો સવિવરણ અનુવાદ (ચાર માંથી બે) ૧૦  
B. પદ્યાંશનો (એક ચરણનો) વિવરણ સાથે અનુવાદ (ચાર માંથી બે) ૦૪

Q.2 UNIT – 2

- A. મલ્લિનાથની ટીકાની સમજૂતી પૂછવી. (ટીકાનો ગદ્યાંશ પૂછવો)(એકના વિકલ્પે એક) ૦૮  
(સર્ગ-૧૪ માં આવતા વિશિષ્ટ શબ્દોની મલ્લિનાથે આપેલી ટીકા પ્રમાણે સમજાવું.)  
B. મલ્લિનાથની ટીકામાંનું કોશશાસ્ત્ર, વ્યાકરણ કે અલંકારના ઉધ્વરણ ની સમજૂતી પૂછવી. ૦૪

Q.3 UNIT – 3

- A. રઘુવંશની કાવ્યશાસ્ત્રીય સમીક્ષાને લગતા સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક) ૧૦  
B. કાવ્યશાસ્ત્રીય સમીક્ષા અંગે ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૪

Q.4 UNIT – 4

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા ટૂંકનોંધ (ચાર માંથી બે) ૧૪

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪  
અથવા (૭ અને ૭ )

## Poetics & Dramaturgy

Course: SAN:- ૨૦૨

નાટ્યશાસ્ત્ર અધ્યાય ૧ અને ૨ અને ભામહ કાવ્યાલંકાર

Course: SAN:- ૨૦૨

Topic: Poetics & Dramaturgy

Text: Natya – shastra of Bharat Muni & bhamah’s Kavyalankar

Objectives of this course: To introduce & bring out salient features of Sanskrit poetics & Dramaturgy.

Outcome of the Course: Students would be able to evaluate any Sanskrit drama with the help of Rasa-theory of Bharat Muni & will be able to pick up any flaws in poetry if present.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Grammar		1. આચાર્યભરતમુનિ પ્રણીતં નાટ્યશાસ્ત્ર અધ્યાય-1,2 પુસ્તકકારિકાવૃત્તિ અભ્યાસ
A	O	Poetics & Dramaturgy	ભરત નાટ્યશાસ્ત્ર પ્રથમ, દ્વિતીય	2. આચાર્યભરતમુનિ પ્રણીતં નાટ્યશાસ્ત્ર અધ્યાય-1,2 અધ્યાય ૧,૨ મા આવતી ટૂંકનોંધ
N	R		અધ્યાય & ભામહ કૃત કાવ્યદોષ વિમર્શ: ) (પચ્ચદશનિયત દોષા: )	3. જનરલ પ્રશ્ન નાટ્યશાસ્ત્ર ને લગતા જનરલ વિવેચન , રૂપકપ્રકાર, રસવિચાર , ભરતમુનિ નું જીવન સમય અને સાહિત્ય પ્રદાન
202	E			4. 1. નેયાર્થ , 2.ક્લિષ્ટ , 3.અન્યાર્થ , 4.અવાચક , 5.અયુક્તિમત્ , ૬. ગુદ્શબ્દાભિધાન, 7. શ્રુતિદુષ્ટ, 8. અસંભવ, 9. લિઙ્ગભેદ, 10. વચનભેદ, 11. શબ્દહીન, 12.લોકવિરોધિ , 13.ન્યાયવિરોધિ, 14. હેતુહીન, 15. દ્રષ્ટાન્તહીન. (self study)

### Reference Books:

- (1) નાટ્યશાસ્ત્રમ્ ખણ્ડ-1 આર.एस.नागर, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली - २००९
- (2) નાટ્યશાસ્ત્ર - ડો.તપસ્વી નાન્દી, સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર - ૧૯૯૫
- (3) નાટ્યશાસ્ત્ર અધ્યાય 1,2 અને ૬ , ડો.અજિત ઠાકોર પાર્શ્વ પ્રકાશન, અમદાવાદ - ૨૦૦૮

### Format of Question Paper

Q.1 Unit-1

A. નિયતકૃતિને આધારે આઠમાંથી ચાર કારિકાઓ સાનુવાદ સમજાવો. ૧૪

Q.2 Unit-2

A. નિયતકૃતિને આધારે એકની અથવા એક જનરલ પ્રશ્ન ૧૪

Q.3 Unit-3

A. નિયતકૃતિને આધારે (ચાર ટૂંક નોંધ માંથી બે ટૂંકનોંધ) ૧૪

Q.4 Unit-4

A. કોઈ પણ ચાર કાવ્યદોષ પૂછવા. (ચાર માંથી બે) ૦૮

B. કાવ્યદોષ શોધવા અંગેના ચાર ટૂંકા પ્રશ્નો (ચાર માંથી બે ) ૦૬

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

## Essay Writing In Sanskrits In Gujarati

COURSE-SAN.203

TOPIC:- Essay Writing In Sanskrits In Gujarati

TEXT:-12+10 TOPICS(TOPICS ARE GIVAN BELLOW)

OBJECTIVES OF THIS COURSE:-TO TRAIN THE STUDENTS IN THE COMPOSITION OF SANSKRIT SENTCES TO IMPROVE THEIR ABILITY OF WRITING.

OUTCOME OF THE COURSE:-STUDENTS WOULD BE ABLE TO WRITE AN ESSAY IN SANSKRITS THEIR LANGUAGE-SKILL WILL BE DEVELOPED.

NO	TYPE	TOPIC	TEXTS	UNIT	
S A N. 203	C O R E	ESSAY	10 TO 10	1	સંસ્કૃત નિબંધલેખન:નિયત વિષય -૧.કાશીનગરી
		WRITING	TOPICS		૨. કુરુક્ષેત્રમ્ ૩.વર્ષા ૪,ગ્રીષ્મ ઋતુ,૫ ભીષ્મ,૬.કર્ણ
		INSANSKRITS	WILLBE	૨.	સંસ્કૃત નિબંધલેખ(નિયત વિષય-૭,૩ધ્યાનમ-૮,નૌકાવિહાર-૯,હૌલિકાપર્વ-૧૦,રથયાત્રા ૧૧,શબ્દસ્ય અનેકાર્થતા-૧૨,૩પમાડકાર
		IN GUJARATI	DECIDED	૩.	વિવિધ-વિશેષણ-પ્રયોગ(ઉપયુક્ત નિયત વિષયના નિબંધોના સંદર્ભ)
				૪	ગુજરાતી નિબંધ લેખન:-નિયત વિષયો-૧.કાલિદાસ
					૨.ભવભૂતિ ૩.જયદેવ ૪.બાળમટ ૫.વ્યાસ ૬.ન્યાયશાસ્ત્ર(પ્રમુખ સિદ્ધાન્તો)૭.સાંખ્યશાસ્ત્ર(પ્રમુખ સિદ્ધાન્તો)૮.પૂર્વમિમાંસા(પ્રમુખ સિદ્ધાન્તો)૯.છન્દશાસ્ત્રમ્ ૧૦.અર્થશાસ્ત્રમ્(કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર-ગ્રન્થ પરિચય. (self study)

FRef Book:

- (1) પ્રસ્તાવતરડિગણી - by charuder shastri. Delhi
- (2) સંસ્કૃત નિબંધશતકમ્ - ડો.કપિલદેવ દ્વિવેદી - વારાણસી
- (3) પ્રબંધ પારિજાત : લે.મથુરાનાથ શાસ્ત્રી • જયપુર
- (4) પ્રશિષ્ટ સંસ્કૃત સાહિત્ય નો ઇતિહાસ , અમૃત ઉપાધ્યાય - યુનિ.ગ્રન્થ નિર્માણ બોર્ડ અમદાવાદ - ૧૯૯૭

FORMET OF QUESTION PAPER:-

UNIT:-1

- A.કોઈ વિષય ઉપર પરચીસેક પંક્તિમાં સંસ્કૃત ભાષામાં નિબંધ લેખન(એકના વિકલ્પે એક) 10
- B.આંશિક વર્ણનવાળો લઘુનિબંધ દસેક પંક્તિમાં(બે માંથી એક) 04

UNIT UNIT:-2

- A A.નિયત વિષયોમાંથી કોઈ વિષય ઉપર પરચીસેક પંક્તિમાં સંસ્કૃત ભાષામાં નિબંધ લેખન (એકના વિકલ્પે એક અથવા બે માંથી એક) 10
- B. Aનિયત વિષયોમાંથી આંશિક વર્ણનવાળો લઘુનિબંધ દસેક પંક્તિમાં( બે માંથી એક) 04

UNIT:-3

- A A.નિયત વિષયોમાંથી કોઈ એક વિષય ઉપર વિશેષણ પ્રયોગ સાથેના વીસેક વાક્યોમાં સંસ્કૃત ભાષામાં નિબંધ લેખન (એકના વિકલ્પે એક અથવા બે માંથી એક) 08
- B.નિયત વિષયોમાંથી કોઈ એક વિષય પર આપેલા વિશેષણ પ્રયોગ સાથેના આઠદસ વાક્યોમાં સંસ્કૃતભાષામાં નિબંધ લેખન ( બે માંથી એક) 06

A UNIT:-4

- A ગુજરાતી નિબંધ લેખન ( બે માંથી એક) 08
- B. ગુજરાતી નિબંધ લેખન (બે માંથી એક) 06

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

શ્રીમદ્ ભાગવત મહાપુરાણમ્ |(દશમ સ્કન્દાત્ નિયતાંશઃ)

Course : SAN – 204

Course : SAN – 204

Topic : Puran

Text :- શ્રીમદ્ ભાગવત મહાપુરાણમ્ |(દશમ સ્કન્દાત્ નિયતાંશઃ) (Mark: 70+30=100)

Objectives of this course :- Students would know the cultural & philosophical aspects of The Bhagvat-puran

Outcome of the course :- Students would be able to understand the glorious cultural heritage of India.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Puran	શ્રીમદ્ ભાગવત મહાપુરાણમ્  (દશમસ્કન્દાત્ નિયતાંશઃ) અ ૧,૬-૧૨,૨૧-૩૩	૧.અનુવાદ તથા સમીક્ષા સમજૂતી સહિત (નિયતાંશ અ ૧,૬-૧૨,૨૧-૩૩ )
A	O	SHASTRA		૨.સાંસ્કૃતિક અને સામાજિક અધ્યયન (નિયતાંશના આધારે)
N	R			૩.બાલ્લીલાઓના વિવિધ અર્થઘટનો.
4	E			૪. ભાગવતના દશલક્ષણ (સ્વરૂપ તથા ઉદાહરણ)
1				(SELF STUDY)
0				
E				
A				

સંદર્ભગ્રન્થ - Reference Books :

- શ્રીમદ્ ભાગવત મહાપુરાણમ્ | H.G. Shastri, B.J. Institute of Learning, Ahmadabad, 1999
- The Bhagavat Puran – a literary study, by S.S. Prasad, Capital Publi. House, Delhi, 1984
- શ્રીમદ્ ભાગવતીય તત્ત્વજ્ઞાન , ડૉ. ગીતાબહેન પી. મહેતા, અમદાવાદ, 1989
- પુરાણ વિવેચન, શ્રી દુર્ગાશંકર કે.શાસ્ત્રી, ગુજરાત વર્નાક્યુલર સોસાયટી, અમદાવાદ, 1931
- પુરાણ-વિમર્શ, બલદેવ ઉપાધ્યાય, ચૌખમ્બા વિદ્યાભવન, વારાણસી, 1965
- ભારતવર્ષીય પ્રાચીન ચરિત્રકોશ , એસ.એન.ચિત્રાવ શાસ્ત્રી, પુણે, 1966
- પૌરાણિક કથા કોષ, ,(શ્રી પીતાંબર દેરાસરી )

Format of Question Paper:

Q.1 UNIT – 1

- A. શ્લોકોનો અનુવાદ (ચાર માંથી બે) 0૮
- B. પદ્યાંશનો (એક ચરણનો) અનુવાદ (ચાર માંથી બે) 0૬

Q.2 UNIT – 2

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન. (એકના વિકલ્પે એક) 0૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) 0૬

Q.3 UNIT – 3

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન. (એકના વિકલ્પે એક) 0૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) 0૬

Q.4 UNIT – 4

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન ૧૪

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂર્ણવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪ અથવા (૭ અને ૭ )

**Course: SAN:- ૨૦૫A**

વેદાન્તસાર:

**Course:** SAN:- ૨૦૫

**Topic:** Vedant Philosophy

**Text:** સદાનન્દ વિરચિત: વેદાન્તસાર

**Objectives of this course:** Student would know the Vedant Philosophy propounded by સદાનન્દ.

**Outcome of the Course:** Students would be able to know the contribution of સદાનન્દ in the field of Indian Philosophy.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	ELECTIVE	Indian Philosophy.	સદાનન્દ વિરચિત: વેદાન્તસાર	1. Text analysis
A				2. Philosophical thoughts
N				3. Critical Study
૨૦૫				4. Six systems of Indian Philosophy (self study)

**Reference Books:**

- (1) વેદાન્તસાર, હિન્દી અનુ. મહેશ ચન્દ્ર ભારતીય, ગાજિયાબાદ - ૧૯૭૮
- (2) વેદાન્તસાર, શ્રી રાકેશ શાસ્ત્રી, પરિમલ પબ્લિકેશન , દિલ્લી ૨૦૦૩
- (3) વેદાન્તસાર, વેદાન્તસાર ડો.મિથિલેશ પાણ્ડેય, રાધા પબ્લિકેશન દિલ્લી ૨૦૦૯
- (4) અદ્વૈત વેદાન્ત - ડો.જે.આઈ.ટેલર
- (5) વેદાન્તાસારે નિરૂપીત સિદ્ધાન્તા: ડો.જે.આઈ.ટેલર

**Format of Question Paper**

Q.1 Unit-1

A. નિયતકૃતિને આધારે ચારમાંથી બે પેરેગ્રાફ સાનુવાદ સમજાવો . ૧૪

Q.2 Unit-2

A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮

B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

Q.3 Unit-3

A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮

B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

Q.4 Unit-4

A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪  
અથવા (૭ અને ૭ )

Course: SAN:- ૨૦૫B

Course: SAN:- ૨૦૫B

Topic: Alankar – Shastra

Text: શબ્દશક્તયઃ, ધ્વનિવિચારઃ, દશરૂપકવિચારઃ પ્રકાશ 1 & 3

**Objectives of this course:** To introduce & bring out salient features of theory of meaning prevalent in Indian poetics & ten types of Sanskrit dramas..

**Outcome of the Course:** Students would be able to understand three types of meaning, as expressed by poetic words.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	CORE	Alankar - Shastra	શબ્દશક્તયઃ, ધ્વનિવિચારઃ, દશરૂપકવિચારઃ	1. abhidha – shabbada-shakti (Kavyaprakash)
A				2. Lakshana-Shabbada-shakti (Kavyaprakash)
N				3. Dhvani theory (Dhvanyalok) (ધ્વન્યાલોકની કારિકાઓ - ઉદ્દ્યોત - 1, કારિકા-1 થી 9 અને 13, ઉદ્દ્યોત -2, કારિકા 1 થી 3 )
૨૦૬				4. Formation of Natak & Prakaran (Self-study)

Reference Books:

- (1) Kavyaprakash of Mamata , by Acharya Viveshwar – Prayag
- (2) Kavyaprakash of Mamata, ed, Satyavratsinh, Varanasi 1973
- (3) સાહિત્યશાસ્ત્રની વિચાર પરંપરાઓ – ડૉ.તપસ્વી નાંદી –યુનિ.ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ , અમદાવાદ
- (4) ભારતીય સાહિત્યશાસ્ત્ર , ગણેશ ત્ર્યમ્બક દેશપાંડે અનુ.જશવંતીબેન દવે અમદાવાદ

**Format of Question Paper**

Q.1 Unit-1

- A. કાવ્યપ્રકાશની પંક્તિઓની સવિવરણ સમજૂતી (એકના વિકલ્પે એક અથવા બેમાંથી એક) ૧૦
- B. નાનું વાક્ય કે ઉદાહરણ – પ્રયોગ વિવરણ માટે (બે માંથી એક) ૦૪

Q.2 Unit-2

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B. નિયતાંશમાંથી કારિકા સમજાવો. (બે માંથી એક) ૦૬

Q.3 Unit-3

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B. નિયતાંશમાંથી કારિકા સમજાવો. (બે માંથી એક) ૦૬

Q.4 Unit-4

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બેમાંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂર્ણવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

## सेमिनार अथवा रत्नावली पेपर

COURSE: SAN 206 A

COURSE: SAN 206 A

Topic: Seminar

Text: The Vishnupuranam And The Bhagavatapuram.

विष्णुपुराण अने भागवतपुराणमांथी गमे ते कोइ एक विषय (जे बन्ने पुराणोमां आवतो होय) पसंद करीने तेनो तुलनात्मक अभ्यास अपेक्षित छे.

सेमिनारण स्वरूपनि बाह्य रूपरेखा निम्नानुसार छे. एने चुस्तपणे वठगी रहेवु. जो आ स्वरूपमां कोई शिथिलता वर्ताशे, तो तेनो प्रभाव परिक्षाना परिणाम उपर पण रहेशे. माटे सेमिनारनु स्वरूप अनिवार्य रीते निम्नानुसार राखवु -

1. प्रथम पृष्ठ - गोविन्द गुरु युनि. नी उत्तरपुस्तिकाना प्रथमपृष्ठनि झेरोक्ष कोपीनु राखवु. उत्तरपुस्तिकानाखानाओमा जरूरी विगतो पुरवी.
2. द्वितीय पृष्ठ - विषयनु शीर्षक अने विषयानुक्रमणिका (विषय अने पृष्ठ - क्रमान्क साथे) नु राखवु.
3. प्रस्तावना - आठ पृष्ठथी वधारे नहीं.
4. विषयनु विवेचन (अर्थात् तुलनात्मक अभ्यास) अन्दाजे पंदरथी वीस पृष्ठ
5. उपसंहार - त्रणथी वधारे पृष्ठ नहीं
6. अन्ते संदर्भ ग्रन्थ सूची, अकारादि क्रमे (1. ग्रन्थनाम 2. संपादक के लेखक नाम 3. प्रकाशक 4. प्रकाशन वर्ष 5. आवृत्ति -आटली विगतो मूकवानी रहे छे.) अनिवार्य रिते मूकवी.
7. एकन्दरे सेमिनारनु कद त्रिस थी पान्त्रिस पृष्ठ जेटलु राखवूं.

Objective of this course: To cultivate SELF – STUDY ability in students

Outcome of the course: Students would be able to learn the Sanskrit puranic literature by themselves.

[A] Assessment of the seminar – work : [30 marks – internal]

1. Language
2. Content
3. Translation skills
4. Power of argument / logic
5. Presentation (soft skill).

[B] One Assignment [70 marks – external]

Note: (1) students are supposed to submit their assignment in a typed copy, (in a spiral-binding form). & minimum pages should be 35 to 40, with a bibliography of reference- books (in an alphabetical order). (2) All the assignments should be submitted by the uni.Dept & P.G Centers of colleges at the University Offices/ Central assessment center.

રત્નાવલી પેપર

**Course :** SAN – 206 - B

**Topic :** Classical Sanskrit drama

**Text :-** શ્રી હર્ષદેવવિરચિત - રત્નાવલી

**Objective of this Course:** To introduce and bring out salient features of the classical Sanskrit Drama.

**Outcome of the Course:** Students would be able to acknowledge the literary riches of their all time great classical drama.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	DRAMA	રત્નાવલી	૧.અનુવાદ: (પદ્યમાત્રસ્ય અનુવાદ: અપેક્ષિત)
A	O	નાટિકા		૨.રત્નાવલી નાટિકા સમીક્ષા
N	R			૩.પાત્રાલેખનમ્ સસંદર્ભ ટિપ્પણિય
206	E			૪.રત્નાવલી નાટિકા જનરલપ્રશ્ન (self study)

**Ref. Book**

૧. રત્નાવલી- સી જમનાદાસની કંપની,અમદાવાદ
૨. રત્નાવલી- જ્યોતિ પ્રકાશન, અમદાવાદ
૩. રત્નાવલી- સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર , પ્રો.સુરેશ દવે

**Format of Question Paper**

**Q.1 UNIT – 1**

- A. શ્લોકોનો અનુવાદ (ચાર માંથી બે) ૦૮
- B. સસંદર્ભ સમજૂતી (ચારમાંથી બે) ૦૬

**Q.2 UNIT – 2**

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન ૧૪

**Q.3 UNIT – 3**

- A. પાત્રાલેખનને લગતો સામાન્ય પ્રશ્ન. (એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

**Q.4 UNIT – 4**

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન ૧૪

**Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)**

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A SANSKRIT**  
**SEM 3- Core-301**  
**हर्षचरितम् उच्छवास १-२,**

**Course :** SAN – 301

**Topic :-** Prose

**Text :-** हर्षचरितम् : उच्छवास १-२,

**Objectives of this course :-** To introduces & bring out salient of Sanskrit prose romance.

**Outcome of the course :-** Students would know the variety of prose-wrings in Sanskrit & they will be able to analysis compound formation.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Prose	हर्षचरितम् उच्छवास १-२	1. Translation of the selected portion
A	O			2. Literary criticism
N	R			3. Companson with other kathas in sanskrit
3	E			4. Development of Sanskrit Prose. (self-study)
0				
1				

**Ref-Book**

- हर्षचरितम् – श्री जगन्नाथ पाठक , चोखम्बा विध्याभवन – वारणसी
- हर्षचरितम् - उच्छवास १-२, डॉ.वसन्तकुमार भट्ट सरस्वति पुस्तक भण्डार-अमदावाद
- हर्षचरितम् एक सांस्कृतिकअध्यय – डॉ.वासुदेवशरण अग्रवाल, अनु. भोलाभाइ पटेल
- हर्षचरितम् उच्छवास १-३ प्रा- दलपतभाइ मुनिम , गुर्जर ग्रन्थ् रत्न कार्यालय-अमदावाद

❖ **Format of Question Paper**

**Q.1 UNIT – 1**

- A. गद्यभंडनो सविवरण अनुवाद (એકના વિકલ્પે એક અથવા બે માંથી એક) ૧૦
- B. સસંદર્ભ સમજાવો. (બે માંથી એક) ૦૪

**Q.2 UNIT – 2**

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

**Q.3 UNIT – 3**

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B. નિયતાંશમાંથી પંક્તિ સમજાવો. (બે માંથી એક) ૦૬

**Q.4 UNIT – 4**

- A. સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક અથવા બે માંથી એક) ૧૪

**Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)**

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A SANSKRIT**  
**SEM - 3**  
**Vedic studies SAN – 302**

**Course :** SAN – 302

**Topic :** Vedic studies

**Text :-** ऋग्वेद नियतांशः।

**Objectives of this course :-** To introduces & bring out salient features of vedic language & literature.

**Outcome of the course :-** Students would know the vedic maths & religion & they would also know the development of Sanskrit language.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Vedic	Selected	1. अनुवाद तथा विवरण(ऋग्वेद,मं.१ सुक्त ९७,१५४,मं. २ सूक्त १२)
A	O	studies	5 hymns	2. अनुवाद तथा विवरण(ऋग्वेद मं.७ सुक्त ८६, मं.- १०,सुक्त१२९
N	R		From	3. वैदिक वाक्य रचना, पद्यपाठ तथा स्वतन्त्र स्वरितनो परिचय
3	E		Rig-Veda (1-97,1-154,2-12,7-86,10-129 )	4. सायणाचार्य तथा स्वामी दयानन्दना वेद भास्य साथे तुलना- उपर्युक्त नियतांशमात्रनी (self-study)
0				
2				

**Ref-Book**

- ऋग्वेदऋग्वेद संहिता (सायण-भास्यसमेत्)टी७५ तिणक वैदिक शोध संस्थान पुणे -१९८८
- Vedic mythology – by A.A.Macdonell – New Dehli 2000
- Vedic Grammar – by Macdoneel– New Dehli 2001
- ऋग्वेद भास्य स्वामि दयानन्द प्रकाशन- अजमेर

❖ **Format of Question Paper**

**Q.1 UNIT – 1**

- A. सविवरण अनुवाद(बे मांथी ऐक) 09  
B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) 09

**Q.2 UNIT – 2**

- A. सविवरण अनुवाद(बे मांथी ऐक) 09  
B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) 09

**Q.3 UNIT – 3**

- A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) 08  
B. नियतांशमांथी वैदिक व्याकरणे लगता प्रश्न(बे मांथी ऐक) 05

**Q.4 UNIT – 4**

- A. सामान्य प्रश्न (ऐकना विकल्पे ऐक अथवा बे मांथी ऐक) 14

**Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)**

- A- टुंका प्रश्नो (ऐक गुणना चौद प्रश्नोपूछवा. अथवा ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) 14  
અથવા (9 અને 9 )

Course : SAN – 303

Topic : Dharmasastras.

Text :-1. યાજ્ઞવલ્ક્યસ્મૃતિ અને

2. ગૌતમ ધર્મસૂત્ર - અધ્યાય-૧ (મસ્કરીભાસ્ય સહિતમ્)

- **ઉદ્દેશ્ય** :- પ્રાચીન ભારતીય સામાજિક, રાજનૈતિક, આર્થિક તથા ન્યાય સૂચક પરંપરાઓનો પરિચય કરાવવો. ધર્મશાસ્ત્ર અને નીતિશાસ્ત્રનો આધુનિક સમાજ સાથેનો સંબંધ સ્પષ્ટ કરવો.

No	Type	Topics	Texts	Units
S	C	Dharmasastras	યાજ્ઞવલ્ક્યસ્મૃતિ	૧. નિયતાંશસ્ય સાનુવાદ વિવરણ ૧-૬
A	O		(વ્યવહારાધ્યાય	૨. જનરલ પ્રશ્ન નિયતાંશમાંથી
N	R		૧-૬ પ્રકરણ અને	૩. ટૂંકનોંધ - નિયતાંશમાંથી
3	E		ગૌતમ ધર્મસૂત્ર- અધ્યાય - ૧	૪. સુત્રો સમજાવો ગૌતમધર્મસૂત્ર અ-૧ ગૌતમધર્મસૂત્રને લગતા પ્રશ્નો અ-૧ (self-study)
0			(મસ્કરીભાસ્ય	
3			સહિતમ્)	

**Ref-Book**

૧. History of dharmshastra – vol,1 to 6 P.V.KANE

૨. યાજ્ઞવલ્ક્યસ્મૃતિ- મિત્રાક્ષરા-ડૉ. ઉમેશ ચંદ્ર પાંડે – ચૌખમ્બા

૩. ગૌતમધર્મસૂત્રમ્(મસ્કરીભાસ્ય સહિતમ્) ડૉ. વેદમિત્રા, રાષ્ટ્રીય પ્રકાશન, New Dehli 1969

૪. ગૌતમધર્મસૂત્રમ્(મિત્રાક્ષરાટિકા સહિતમ્) હરિનારાયણ આપ્ટે, આનન્દાશ્રમ સંસ્કૃત સિરિજ, પુના-૧૯૯૦

**❖ Format of Question Paper****Q.1 UNIT – 1**

A. શ્લોકોનો અનુવાદ વિવરણ સહિત (૭ માંથી ત્રણ લખો) ૦૯

B. ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૫

**Q.2 UNIT – 2**

A. સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

**Q.3 UNIT – 3**

A. ટૂંકનોંધ લખો. (ચાર માંથી એક) ૧૪

**Q.4 UNIT – 4**

A. ગૌતમધર્મસૂત્ર અધ્યાય-૧ માંથી સુત્રો. (મસ્કરીભાસ્ય સહિતમ્) (ચાર માંથી બે) ૦૮

B. ગૌતમધર્મસૂત્ર માંથી ટૂંકનોંધ (બે માંથી એક) ૦૬

**Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)**

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નો પૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A.SEM-3 304****Puran- Shastra****Course:-San-304****Topic-Puran Shastra****Text-Matsya-Puran(Selected Portion)&Agni-Puran 1-6****Objective The Course:-To Introduce The Ancient Puranic Literature**

COURSE	TYPE	TOPIC	TEXT	UNIT
S A N S 3 0 4	P U R A N	P U R A N	1.मत्स्यपुराणम् (नियतांश) अ- १-१६, २३, २४, ४५, ४७, एवं -53 अग्निपुराणम् अं. १-१६	१.अनुवाद तथा समीक्षा(अ-१ थी १०)
				२.अनुवाद तथा समीक्षा(अ 11 थी १६) २३, २४, ४५, ४७ अने ५३
				३. अग्निपुराणम्(नियतांश:-अ १ थी १६ अनुवाद तथा समीक्षा
				४. पुराणोन्नोसांस्कृतिक महिमा (मत्स्यपुराण ना आधारे) (SELF-STUDY)

**Ref-Book**

(1) Matsya-Puran-Editor, Anandashram Sanskrit Series Poona-1976

(2) Matsya-Puran-A Study(Culture History From The Matsyapuram)By

S.G.Kantawala- M.S.Uni.Baroda-1975

(3) पुराण-विमसं, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत विद्याभवन वाराणशी-1966

**Format of Paper****Q-1 UNIT-1**

A-श्लोकोन्नो सविवरण अनुवाद(चार मांथी बे) १०

B-पधांशन्नो (એક ચરણનો) अनुवाद (चार मांथी बे) ०४

**Q-2 UNIT-2**

A-सामान्य प्रश्न (बे मांथी એક અથવા એક ના વિકલ્પે એક) १०

B-ટ્રેકનોંધ (બે માંથી એક ) ०४

**Q-3 UNIT-3**

A-શ્લોકોન્નો સવિવરણ અનુવાદ(ચાર માંથી બે) ૦૮

B-સસંદર્ભ વિવરણ અથવા ટ્રેકનોંધ (ચારમાંથી બે) ૦૬

**Q-4 UNIT-4**

A-(સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન) ૧૪

**Q.5 Unit - (1, 2, 3, 4)**

A- ટ્રેક પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A.SEM-3 305****Vishnu-Puran****Course:-**Sans305**Topic:-**Puran Shastra**Text:-**Vishnu-Puran(Selected Portion)**Objective Of The Course:-**To Introduce The Original Sanskrit Text Of Puranic-Literature,S Bring Out Salient Teatures Of Puranas**Out Com Of Course:-**Students Would Know The Impact At Vishnu-Puran On The Bhagvat Puran & Intlunce At The Vishnu-Puran In Displecmnt Of The Vedic Myth Of Andra-Deity.

NO	TYPE	TOPIC	TEXT	UNIT
S A N 3 0 5	C O R E 3 0 5	PURAN SHASTRA	विष्णुपुराणम् (नियतांश) अंश-१ अध्याय ९,१३,१७, थी २० अंश-२ अध्याय २ थी ५,१३ थी १६ अंश-४ अध्याय २ थी ६,१० थी १३ अंश-५ अध्याय-५ ६ थी ११ अने १६=कुल ३५ अध्याय	१. अनुवाद तथा समीक्षा (अंश-१ अध्याय ८,१३,१७ थी २० अंश -२ अध्याय २ थी ५,१३ थी १६ २. अनुवाद तथा समीक्षा (अंश-४ अध्याय २ थी ६,१० थी १३ अंश- ५ अध्याय ५ थी १६ ३.विष्णुपुराणमां आवतां विविध आभ्यानो ४.विष्णुपुराण अने भागवतपुराणमां आवती कृष्णानी बाणलीलाओनो पारस्परिक संबंध.(SELF-STUDY)

**REF-BOOK**

(१) विष्णुपुराणम-प्रकाशन:आनआनन्दाश्रम ग्रंथावली,पूर्ण-१९७६

(२) पुराण विमर्श|सं,बलदेव उपाध्याय,चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी-२००३

(३) इतिहास पुराणका अनुशिलना|लेखक:रामशंकर भट्टाचार्य, वाराणसी.

(४) पुराणतत्वमिमांसा|डॉ.श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान- वाराणसी-२००९

(५) विष्णुपुराण - गीताप्रेस- गोरखपुर

**Format of Paper****Q-1 UNIT-1**

A-श्लोकोनो सविवरण अनुवाद(चार मांथी बे) ०८

B-पधांशनो (अेक यरणनो) अनुवाद सविवरण समजवो.(चार मांथी बे) ०९

**Q-२ UNIT-2**

A-श्लोकोनो सविवरण अनुवाद(चार मांथी बे) ०८

B-पधांशनो (अेक यरणनो) अनुवाद (चार मांथी बे) ०९

**Q-3 UNIT-3**

A-(सामान्य प्रश्न अथवा सामान्य प्रश्न) अथवा चारमांथी बे टूंकनोध १४

**Q-4 UNIT-4**

A- (सामान्य प्रश्न अथवा सामान्य प्रश्न) १४

**Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)**A- टूंक प्रश्नो (अेक गुणना चौड प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जय्या अने जोडका पण पूछी शकाय.) १४  
अथवा (७ अने ७ )

**COURSE:SAN 306-A (Seminar)**

**Course:-San 306-A**

**Topic For Seminar Work Is –Philosophical & Devotional Stotra Literature Of Shankarachary.(Marks:70 +30=100)**

शंकराचार्य विरचित कोई एक के बे स्त्रोत पसंद करीने तेनोतात्विक रीते अभ्यास करवानु अहीं अपेक्षित चे.

सेमिनार स्वरूपनी बाह्य रूपरेखा निम्नानुसार चे.एने चुस्तपणे वलगी रहेवु.जो आ स्वरूपमां कोई शिथिलता वर्ताशे,तो तेनो प्रभाव परिक्षाना परिणाम ऊपर पण रहेशे.माटे सेमिनारनु स्वरूप अनिवार्य रीते रीते निम्नानुसार राखवू-

१.प्रथम पृष्ठ-गुरु गोविंद युनि.नी उत्तरपुस्तिकाना प्रथमपृष्ठनी ज़ेरोक्ष कोपीनु राखवु उत्तरपुस्तिकाना खानाओमां जरूरी विगतोपुरवी.

२.द्वितीय पृष्ठ-विषयनु शीर्षक अने विषयानुक्रमणिका(विषय अने पृष्ठ-क्रमांक साथे)नु राखवु.

३.प्रस्तावना-आठ पृष्ठथी वधारे नहीं.

४.विषयनु विवेचन(अर्थात तुलनात्मक अभ्यास)अंदाजे पंदरथी वीस पृष्ठ.

५.उपसंहार-त्रणथी वधारे पृष्ठ नहीं.

६.अन्ते संदर्भ ग्रंथ सूचि,अकारादि क्रमे(१.ग्रंथनाम २.संपादक के लेखक के नाम ३.प्रकाशक.४.प्रकाशन वर्ष

५.आवृत्ति-आटली विगतो मुकवानी रहे छे.)अनिवार्य रीते मुकवी.

७.एकंदरे सेमिनारनु कद त्रीस थी पांत्रिस पृष्ठ जेटलु राखवु.

**Objectiv Of The Course:-To Promote Self-Study And Cultivate Their Tongues For Correct Pronunciations.**

**Outcome Of The Course:-Students Would Be Able To Understand &To Pronunciation The Stotra-Literature.**

COURSE	TYPE	TOPIC	TEXT
SAN506(S)	CORE	SEMINAR	श्रीशंकराचार्यरचितानि स्त्रोत्राणि

**RRERENCE BOOKS:-१.शांकर-ग्रंथावली | समता प्रकाशन,चेन्नै,2002**

**२. शंकरसरिता - डॉ.जयदेव जनी**

(A) Assessment Of The Seminar-Work(30 Marks-Intenal)

(1) Self Under Standing Of A Totra.(2).Correct Pronunciation.

(3)Translation Skill (4)Power Of Explanation.(5)Summarization Of The Content

(B)One Assignment:- (70 Marks-External)Related With The Topic Mentioned Above.

Note:- (1) Students Are Supposed To Submit Their Assignment In A Typed Copy,(In A Spiral-Binding Form.)&Minimum Pages Should Be 35 To 40,With A Bobliography Of Reference-Book(In An Alphabetical Order).(2)All The Assignments Should Be Submitted By The Uni.Dept.&P.G.Centers Of Colleges At The University Offices/Central Assessment Center.

## અથવાપેપર- કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર-અધિકરણ-૬(૧-૨)અધિકરણ-૭(૧-૫)

KOકોષ ઉદ્દેશ:-કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્રનો પરિચય તથા અભ્યાસ કરી શકે.

NO	TYPE	TOPIC	TEXT	UNIT
S A N S 3 0 5	C O R E	ARTHASASTRA	કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર- અધિકરણ-૬(૧- ૨)અધિકરણ- ૭(૧-૫)	૧ ગદ્ય અથવા પદ્યમાં અનુવાદ સમજૂતિ ૨ જનરલ પ્રશ્ન અથવા ટૂંકનોંધ ૩ ટૂંકનોંધ ૪ જનરલ પરામર્શ (SELF STUDY)

## REF-BOOK

(૧) કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર અધિકરણ-વાચસ્પતિ ત્રેરોલા,ગીતાપ્રેસ-ચોખમ્બા વિદ્યાભવન-  
વારાણસી

(૨) કૌટિલ્ય કે રાજનિતિકેવં સામાજિક વિચાર - ડૉ.મણિશંકર પ્રસાદ મોતીલાલ બનારસદાસ  
વારાણસી.

(૩) કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર-પ્રો પ્રાણનાથ વિદ્યાલંકાર,મોતીલાલ બનારશીદાસ વારાણસી

(૪) કૌટિલ્ય અર્થશાસ્ત્ર-ટી.ગણપતી શાસ્ત્રી,રાષ્ટ્રીય સંસ્કૃત સંસ્થાન -દિલ્લી

## Format of Paper

## UNIT-૧

A-શ્લોકોનું અથવા ગદ્યનું સવિવરણ અનુવાદ(ચારમાંથી બે) ૧૦

B-પદ્યાંશનો (એક ચરણનો)અનુવાદ સવિવરણ સમજાવો(ચાર માંથી બે) ૦૪

## UNIT-૨

A-સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા સામાન્ય પ્રશ્ન ૧૪

## UNIT-૩

AA A-સામાન્ય પ્રશ્ન અથવા ટૂંકનોંધ (ચારમાંથી બે)

૧૪

## UNIT-૪

A-ચારમાંથી બે ટૂંકનોંધ સમજાવો. ૧૪

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A SEM 4****401****Course :-** SAN.401**Topic :-** Kavya**Text :-** नैषधीयचरितम्- प्रथम सर्गं अने किरातार्जुनियम् प्रथम सर्गं**Objectives of this course :-** 1. To teach some portion of classical Sanskrit epics.

2. To introduce with the form of classical Sanskrit epics.

3. To compare the style of two great poet bharavi and Shiharsh.

No	Type	Topics	Texts	Units
S A N 4 0 1	C O R E	Kavya	किरातार्जुनियम् सर्ग-1 नैषधीयचरितम् सर्ग-1	1. किरातार्जुनियम् प्रथम सर्गं श्लोकोनो अनुवाद अने संसंदर्भ
				2. जनरल प्रश्न अथवा टुंकनोध. किरातार्जुनियम् मांथी
				3. नैषधीयचरित प्रथम सर्गं श्लोकोनो अनुवाद अने संसंदर्भ
				4. जनरल प्रश्न अथवा टुंकनोध. नैषधीयचरित सर्ग-१ मांथी (self study)

Ref-Book

१. किरातार्जुनियम्-भारवि-सं, श्री रामप्रताप त्रिपाठी लोकभारती-इलाहाबाद

२. शिशुपालवध-माधु, वल्लभदेव -टिकासहित, रामचन्द्र अने हरभट्ट शास्त्री, श्री नगर

३. किरातार्जुनियम्, प्रथम सर्गं व्याख्याकार जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली १९७२

४. नैषधीयचरित - शिवलाल त्रिवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर-२००८

**Format of Paper****Q.1 UNIT – 1**

A. श्लोकोनो अनुवाद (चार मांथी बे) १०

B. संसंदर्भ विवेचन (चार मांथी बे) ०४

**Q.2 UNIT – 2**

A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) ०८

B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) ०५

**Q.3 UNIT – 3**

A. श्लोकोनो अनुवाद (चार मांथी बे) (नैषधीयचरित मांथी) १०

B. संसंदर्भ विवेचन (चार मांथी बे) ०४

**Q.4 UNIT – 4**

A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) ०८

B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) ०५

**Q.5 Unit - (1, 2, 3, 4)**

A- टुंका प्रश्नो (ऐक गुणना चौद प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जय्या अने जोडका पण पूछी शकाय.) १४

अथवा (७ अने ७ )

Course :- SAN.402

Topic :- Upanisad

Text :- માણ્ડૂક્યોપનિષદ્

Objectives of this course :- 1. To have proficiency in Sanskrit language.

2. To give depth knowledge of the vedantic tradition of thought.

3. To be aware of intellectual strength of the Sanskrit tradition of thought.

No	Type	Topics	Texts	Units
S A N 4 0 2	C O R E	Upanisad	માણ્ડૂક્યોપનિષદ્ (ગૌડપાદકારિકા)	1. કારિકા નો અનુવાદ સવિવરણ પ્રકરણ ૧ થી ૪ 2. સામાન્ય પ્રશ્ન નિયત કૃતિને આધારે 3. ટૂંકનોંધ 4. ગૌડપાદ કારિકાના સિદ્ધાંતો, ગૌડપાદનું જીવન, સમય, કવન, પ્રારંભિક અદ્વૈત વિચારધારા, અને ગૌડપાદના પૂરોગામી વેદોના વિચારકો, ગૌડપાદ વિષે કેટલાક વિદ્વાનોના મતની સમીક્ષા, માણ્ડૂક્યોપનિષદ્ અને આગમ પ્રકરણની કરીકાનો સંબંધ. (self study)

**Ref-Book**

- 1987, Mandukya-Karika, Swami Gambhirananda, Kerala.
- માણ્ડૂક્યોપનિષદ્, ગૌડપાદ કારિકા તથા શાકર ભાષ્ય સહિત, ગીતાપ્રેસ, ગોરખપુર.
- ગૌડપાદ એક સમીક્ષાત્મક અધ્યયન-ડૉ.અરવિંદ જોશી, સુરત.
- માણ્ડૂક્યોપનિષદ્- સવામી પ્રણવતીર્થ, સસ્તુ સાહિત્યવર્ધક કાર્યાલય, અમદાવાદ.
- ગૌડપાદકારિકા એક અધ્યયન, યુનીલાલ ગાંધી વિદ્યાલય, સુરત-૧૯૬૪.

**Format of Paper:**

**Q.1 UNIT – 1**

A. કારિકાઓનો અનુવાદ સવિવરણ સમજાવો. (આઠ માંથી ચાર) ૧૪

**Q.2 UNIT – 2**

A. નિયતકૃતિને આધારે સામાન્ય પ્રશ્ન બે માંથી એક અથવા એક ના વિકલ્પે એક ૧૪

**Q.3 UNIT – 3**

A. ટૂંકનોંધ લખો. (ચાર માંથી બે) ૧૪

**Q.4 UNIT – 4**

A. સામાન્ય પ્રશ્ન (એકના વિકલ્પે એક અથવા બે માંથી એક) ૧૪

- (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂર્ણવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭)

Q.5 Unit-

**M.A SEM 4****403-A****Course :-** SAN.403-A**Topic :-** INDIAN PHILOSOPHY**Text :-** अणुभास्यतः नियतांशः| पातजलयोगसूत्रतः समाधिपादः च।**Objectives of this course :-** To introduces the text of the shuddhadrait – vedant philosophy and the yoga-shastra.**Outcome of the course :-** Students would know the aoctrine of vallabhacharya and importance of yoga.

No	Type	Topics	Texts	Units
S A N 4 0 3	E L E C T I V E	INDIAN PHILOSOPHY	1. अणुभास्यतः नियतांशः(त्रिसुत्री) 2.पातजलयोगसूत्रतः समाधिपादः।	1. Text-analysis 2. philosophical tonets of tri sutri 3. Development of vaishnava 4. General study of ashtangani in yoga-shastra.(self-study)

**Ref-Book**

- 1.अणुभास्यम]सं.हनुमान प्रसाद षटशास्त्री,चौखाम्बा संस्कृत संस्थान वारणसी १९८७.
- 2.पातजल-योग सूत्राणि| पं.युधिष्ठिर मिमांसक.
- 3.हिन्द तत्वज्ञान नो इतिहास,ले.नर्मदाशंकर महेता,अमदावाद,१९६२.
- 4.भारतीय तत्वज्ञान केत्तिक समस्या,नगीन शाह,अमदावाद.
- 5.सांख्य-योगदर्शन, नगीन जी.शाह, युनिवर्सिटी ग्रन्थ निर्माण बोर्ड, अमदावाद.

Format of Paper

**Q.1 UNIT – 1**

- A.त्रिसुत्री मांथी पेरेगाड़ पूछवा (बे मांथी ऐक) 0८
- Bपध्यांश नो बे यरणनो सविवरण अनुवाए समजावो. (चार मांथी बे) 0९

**Q.2 UNIT – 2**

- A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) (सुत्रोनो टुंकसार पूछवो ) 0८
- B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) 0९

**Q.3 UNIT – 3**

- A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) (त्रिसुत्री अने समाधिपाए मांथी प्रश्नो मुकवा) १४

**Q.4 UNIT – 4**

- A. सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक) (समाधिपाए मांथी प्रश्नो मुकवा) 0८

- B. टुंकनोध (बे मांथी ऐक) 0९

**Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)**

- A- टुंका प्रश्नो (ऐक गुणना चौए प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जय्या अने जोडका पण पूछी शकाय.) १४  
अथवा (७ अने ७ )

(त्रिसुत्री अने समाधिपाए मांथी प्रश्नो मुकवा)

**M.A.Sem-4 (403)**  
**Course:-San 403 B**

**Course:-San 403 B**

**Topic:-Alankar Shastra**

**Text:-काव्यालङ्कार परिच्छेदो 1 थी ६**

**Objective Of The Course:-** To Introduce The Original Text Of Early Poetics And To Examine The Contribution Of To Indian Poetics.

**Out Come Of The Course:-**Students Would Know The Beginning Of The Alankar-School & The Roll Of भामह|

No	TYPTYPE	Topic	Text	Unit
S A N 4 0 3	E L E C T I V E	Alankar Shastra (Indian Poetics)	भामहकृत काव्यालङ्कार परिच्छेदो 1 थी ६	1 Text Study With Translation 2 Content Analysis Of The First Second And Three Chapter 3 Content Analysis Of The,4,5,6 Chapter 4 Alankarkos-Befor भामह(Self-Study)

**REF BOOK**

- (१) काव्यालङ्कार सूत्रवृत्ति:-गंगानाथ,नवीदिल्ली
- (२) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका -डॉ.नगेन्द्र द्विवेदी
- (३) संस्कृत काव्य समीक्षा -रमेश शुक्ल
- (४) संस्कृत काव्यशास्त्रनो इतिहास-पी.वी.काणे
- (५) काव्यालङ्कार -प्रो.आर.पी.महेता-सरस्वती पुस्तक बंडार

**Q-१ UNIT-1**

- A काव्यालङ्कार नी कारिकाओनी सविस्तार समजुती(चार मांथी बे ) १०
- B पध्यांशनो (येक चरण)नो अनुवाए विवरण सहित ०४

**Q-२ UNIT-२**

- A-येक थी त्रण परिच्छेदमांथी सामान्य प्रश्न(बे मांथी येक अथवा येकना विकल्पे येक) ०८
- B-ट्रंकनोध(बे मांथी येक) ०९

**Q-3 UNIT-3**

- A चार,पांच,छ परिच्छेद मांथी सामान्य प्रश्न(बे मांथी येक अथवा येकना विकल्पे येक) ०८
- B ट्रंकनोध(बे मांथी येक) ०९

**Q-४ UNIT-४**

- A सामान्य प्रश्न (येकना विकल्पे येक अथवा बे मांथी येक) १४

**Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)**

- A- ट्रंक प्रश्नो (येक गुणना चौए प्रश्नोपूछवा. अथवा ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) १४
- अथवा (७ अने ७ )

M.A.Sem-4 (404)

Course:-San 404 – (A)

તર્કભાષા-જૈન-બૌદ્ધદર્શનયો:સ્વાધ્યાય:

Course:-San 404 A

TTOPIC:-SAN 404

TEXT:- કેશવમિશ્ર-વિરચિતા તર્કભાષા-જૈન-બૌદ્ધદર્શનયો:સ્વાધ્યાય:

**Objective Of The Course:-** To Introduce a a Primary Of An Indian Epistemology & To Itroduce The Non-Veaic Philosophy.

**Out Come Of The Course:-**Students Would be able to Know that how we know the worldly things what is the important of non-vedic philosophy.

No	TYType	Topic	Text	Unit
S A N 4 0 4	E L E C T I V E	Indian Philosophy	કેશવમિશ્ર-વિરચિતા તર્કભાષા – (નિયતાંશ:)પ્રમાણવિચાર: જૈન- બૌદ્ધદર્શનયો:સ્વાધ્યાય: (સર્વદર્શનસંગ્રહત:)	1 text analysis 2 types of pramanas 3 jain philosophy or depicted in sarva-darshan-sangrah(self-study) 4 bauddha philosaphyas depicted in sarva-darshan-sangrah(self –study)

REF BOOK

- (૧) તર્કભાષા(કેશવમિશ્ર-વિરચિતા)પ્રકાશન-ચૌખમ્બા સંસ્કૃત પ્રતિષ્ઠાન,વારાણસી-૧૯૬૬
- (૨) ભારતીય દર્શનો-લેખક-વસંત પરીખ,સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર અમદાવાદ-૨૦૦૭
- (૩) ન્યાય વૈશેષિક:-લેખક-નગીનદાસ.જી.શાહ-યુનિ.ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ અમદાવાદ-૧૯૯૮
- (૪) સર્વદર્શન સંગ્રહ:-સંપાદક-વાસુદેવશાસ્ત્રી,ભંડારકર ઓરિએન્ટલ રીસર્ચઇન્સ્ટીટ્યુટ પુના-૧૯૨૪
- (૫) સર્વદર્શન સંગ્રહ:-અનુવાદ ડો.એસ્તેર સોલોમન,સંસ્કૃતસાહિત્ય અકાદમી ગાંધીનગર-૨૦૦૫

Q-૧ UNIT-1

A તર્કભાષાની પંક્તિઓનું વિવરણ(ચાર માંથી બે) ૧૪

Q-૨ UNIT-૨

A- સામાન્ય પ્રશ્ન(બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮

B-ટૂંકનોંધ(બે માંથી એક) ૦૬

Q-૩ UNIT-૩

A સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

Q-૪ UNIT-૪

A સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક (જૈન બૌદ્ધ દર્શન માંથી) ૦૮

B-ટૂંકનોંધ(બે માંથી એક) ૦૬

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪

અથવા (૭ અને ૭ )

**M.A.Sem-4 (404)**  
**Course:-San 404 (B)**

**Course:-**San 404 B

**Topic:-**Alankar Shastra

**Text:-**આનન્દવર્ધન-ધ્વન્યાલોક -પ્રથમ ઉદ્યોત અને કુન્તકવક્રોક્તિજીવિતમ પ્રથમ ઉન્મેષ

**Objective Of The Course:-** To Introduce a and bring out salient features at a unique text at Indian Poetics.

**Out Come Of The Course:-**Students Would Know The special contribution of આનન્દવર્ધન- ધ્વન્યાલોક -પ્રથમ ઉદ્યોત અને કુન્તકવક્રોક્તિજીવિતમ પ્રથમ ઉન્મેષ

No	TYPType	Topic	Text	Unit
S A N 4 0 3	E L E C T I V E	Alankar Shastra (Indian Poetics)	આનન્દવર્ધન- ધ્વન્યાલોક -પ્રથમ ઉદ્યોત અને કુન્તકવક્રોક્તિજીવિતમ પ્રથમ ઉન્મેષ	1 પ્રથમ ઉદ્યોતમાંની કારિકા સવિવરણ 2 પ્રથમ ઉદ્યોતમાં આવતા પ્રશ્નો તેમજ ધ્વન્યાલોકની ટીકા, અલંકારશાસ્ત્રની પરંપરા 3 વક્રોક્તિજીવિતમ ના પ્રથમ ઉન્મેષની કારિકાઓ 4 વક્રોક્તિજીવિતમ માં આવતા પ્રશ્નો (self study)

REF BOOK

- (૧) ધ્વન્યાલોક - આનન્દવર્ધન ડો.રામસાગર ત્રિપાઠી,મોતીલાલ બનારસીદાસ વારાણસી
- (૨) ધ્વન્યાલોક -ડો.ગંગાસાગર રાય ,ચોખાંબા સંસ્કૃત ભવન-વારાણસી
- (૩) ધ્વન્યાલોક એક અધ્યયન,યાનેશ્ચંદ્ર,ઉપ્રતી,પરિમલ પબ્લિકેશન દિલ્લી
- (૪) વક્રોક્તિજીવિતમ-પાર્થ પ્રકાશન-અમદાવાદ
- (૫) વક્રોક્તિજીવિતમ-કુન્તકનો કાવ્યવિચાર,નગીનદાસ પારેખ,ગાંધીનગર
- (૬) ધ્વન્યાલોક-ડોલનરાય રંગીલદાસ માંકડ-ગુજ-યુનિ.અમદાવાદ
- (૭) ધ્વન્યાલોક-શ્રી અભિનવગુપ્ત વિરચિત લોચનટીકા સહીમ-ડો.નાન્દી સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર-અમદાવાદ

**Format of Paper**

**Q-૧ UNIT-1**

- A ધ્વન્યાલોક પ્રથમઉદ્યોતની કારિકાઓ (ચાર માંથી બે ) ૧૦
- B પ્રથમઉદ્યોતમાં આવતી ટૂંકનોંધ(બે માંથી એક) ૦૪

**Q-૨ UNIT-૨**

- A- સામાન્ય પ્રશ્ન(બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૦૮
- B-ટૂંકનોંધ(બે માંથી એક) ૦૬

**Q-૩ UNIT-૩**

- A વક્રોક્તિજીવિતના પ્રથમ ઉન્મેષની કારિકાઓ સવિવરણ સમજાવો.(ચાર માંથી બે) ૦૮
- B વક્રોક્તિજીવિતમાંથી આવતી ટૂંકનોંધ(બે માંથી એક) ૦૬

**Q-૪ UNIT-૪**

- A સામાન્ય પ્રશ્ન (બે માંથી એક અથવા એકના વિકલ્પે એક) ૧૪

Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪
- અથવા (૭ અને ૭ )

Course:-San 405

Course:-San 405

Topic:-One Act Play From The Bhasa's Nataka-Chakra(Trivenrrum-Plays)

Text:- Urubhanga Of Bhasa

Objective Of The Course:- To Draw Attention Of Students Towards The Stage Script Of Sanskrit Dramas.

Out Come Of The Course:-Our Students Will Be Able To Prepare Stage-Scripts Of Other Drama.

No	TYType	Topic	Text	Unit
S A N 4 0 5	C O R E	One Act Play Of Bhasa	उरुभंगम्	1 उरुभंगम् (अनुवाद तथा समीक्षा) 2 उरुभंगम् (मुलकथामां परिवर्तनों अने तेनां प्रेरणास्थानो) 3 भासना अन्य एकांकीओ अने उरुभंगनी रंगक्षमतानी समीक्षा 4 एकांकी रुपकोनु स्वरूप विधान(लक्ष्य-लक्षण समान्वय साथै) दशरूपकम् ना आधारे.(Self Study)

Q-1 UNIT-1

A पद्यनो सविवरण अनुवाद.(चार मांथी बे)

१०

B ससंदर्भ समजवो.(बे मांथी ऐक)

०४

Q-2 UNIT-2

A- सामान्य प्रश्न(ऐकना विकल्पे ऐक अथवा बेमांथी ऐक)

१४

Q-3 UNIT-3

A सामान्य प्रश्न (बे मांथी ऐक अथवा ऐकना विकल्पे ऐक

१०

B-ट्रेकनोघ(बे मांथी ऐक)

०४

Q-4 UNIT-4

A- सामान्य प्रश्न(ऐकना विकल्पे ऐक अथवा बेमांथी ऐक)

१४

Q.5 Unit- - (1, 2, 3, 4)

A- ट्रेका प्रश्नो (ऐक गुणना चौद प्रश्नोपूछवा. अथवा भाली जग्या अने जोडका पण पूछी शक्या.) १४

अथवा (७ अने ७ )

**Course:-San 406 A**

**Course:-San 406 A**

**TTopic:-Project-Work Marks:-70+30=100)**

**Objective Of The Course:-** To Develop The Critical Faculty Of Students.

**Out Come Of The Course:-**The Students Would Be Able To Explore The Traditional Sanskrit Text Historically & Comparatively.

**Prescribed Angle:-**

- (1) **Historical Study Of A Givan Subject,**  
Or
- (2) **Comparative Study Of A Givan Subject.**  
Or
- (3) **Student May Prepare A Survey Of Specific Topic In The Sanskrit With Some Critical Comments Of His Own.**

**Note:-**

- (1) **Student Is Suppose To Submit His/Her Project-Work In Typed Frome Only (Pages:-75 To 100),With Spiral Binding.**
- (2) **There Should Be Bibliography Of The Relevent Reference Books (In An Alphabetical Order Only.)**
- (3) **Student Should Not Write His/Her Name,College-Name On The Title-Page.But**  
(A) **He/She Is Suppose To Write His/Her University-Exam Seat Number Only,**  
(B) **With Year Of Fourth Semester-Exam.&**  
(C) **Subject:Sanskrit.(Semester-4,Course No.512)**

સેમિનારના બદલામાં  
મનુસ્મૃતિ અધ્યાય-૭ B  
સ્મૃતિસાહિત્ય

**COURSE:-SANS 406 B**

**TOPIC:- સ્મૃતિસાહિત્ય**

**TEXT:-મનુસ્મૃતિ-અધ્યાય-૭ અને અધ્યાય ૧ અને ૨ નો પરિચય**

ઉદ્દેશ્ય:-વિદ્યાર્થીને ભારતની પ્રાચીન સામાજિક સંસ્થાઓ, રાજનૈતિક બાબતો તથા આર્થિક પરિસ્થિતિ ખ્યાલ આપવો, તથા આધુનિક ન્યાય વ્યવસ્થાના ઉદગમનો પરિચય કરાવવો., ધર્મશાસ્ત્રનો અભ્યાસ આધુનિક સમયે પણ આવશ્યક છે તે બતાવવું. સ્મૃતિ સાહિત્યનો પરિચય કરાવવો.

No	TYType	Topic	Text	Unit
S A N 4 0 6	C O R E	સ્મૃતિ સાહિત્ય	મનુસ્મૃતિ- અધ્યાય-૭ અને અધ્યાય ૧ અને ૨ નો પરિચય	1 મનુસ્મૃતિ-અધ્યાય-૭ના શ્લોક સવિવરણ 2 મનુસ્મૃતિને લગતા જનરલ પ્રશ્નો અને અધ્યાય- ૭ને લગતા પ્રશ્નો. 3 ટૂંકનોંધ મનુસ્મૃતિ-અધ્યાય-૭ને લગતી 4 મનુસ્મૃતિ-અધ્યાય-૧ -૨ નો પરિચય તેને લગતા પ્રશ્નો (શ્લોકોને અવકાશ નથી)(self study)

**REFBOOK**

- (1) HISTORY OF DHARMOSHASTR-P.V.KANE.
- (2) મનુસ્મૃતિ-ડો. સુરેન્દ્રકુમાર, વિજયકુમાર, ગોવિન્દ રામ હાસાનંદ-દિલ્હી-૧૧૦૦૦૬
- (3) મનુસ્મૃતિ-(સંપા) કદમલ્લૂકમટ્ટ, મોતીલાલ બનારસદાસ, દિલ્લી-૧૯૮૩

**Format of Paper**

**Q-૧ UNIT-1**

- A શ્લોકોનો અનુવાદ સવિવરણ નોંધ સાથે લખો. (ચાર માંથી બે) ૦૮
- B ટૂંકનોંધ મનુસ્મૃતિ-અ-૭ (બે માંથી એક) ૦૬

**Q-૨ UNIT-૨**

- A- સામાન્ય પ્રશ્ન(એકના વિકલ્પે એક અથવા બેમાંથી એક) ૧૪

**Q-૩ UNIT-૩**

- ટૂંકનોંધ (ચાર માંથી બે) ૧૪

**Q-૪ UNIT-૪**

- A- મનુસ્મૃતિ અ ૧ અને અ-૨ માંથી સામાન્ય પ્રશ્ન(એકના વિકલ્પે એક અથવા બેમાંથી એક) ૧૪

**Q.5 Unit- (1, 2, 3, 4)**

- A- ટૂંકા પ્રશ્નો (એક ગુણના ચૌદ પ્રશ્નોપૂછવા. અથવા ખાલી જગ્યા અને જોડકા પણ પૂછી શકાય.) ૧૪  
અથવા (૭ અને ૭ )